(iii) मुआवजे पर और/अथवा रोजगार देने के मामले में नियमों और प्रक्रियाओं के अनुसार त्वरित निर्णय ।

कोयला परियोजनाओं को स्वीकृति में विलम्ब

1770. **श्री रामसिंह राठवा:** क्या **कोयला** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि कोयला परियोजनाओं को 6 माह के भीतर स्वीकृति प्रदान किये जाने के सिद्धान्त के बावजूद इन्हें स्वीकृति देने में 6 माह से अधिक समय लग गया है, यदि हां, तो इस बारे में विलम्ब के क्या कारण है ;

(ख) गत तीन वर्षों के दौरान प्रत्येक परियोजना के मामले में स्वीकृति देने में लगे समय का ब्यौरा क्या है ; और

(ग) इन परियोजनाओं को छः माह के भीतर स्वीकृति प्रदान किये जाने हेतु सरकार ने क्या प्रयास किये हैं ?

कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अजित कुमार पांजा) : (क) से (ग) नई परियोजनाएं जोकि 50 करोड़ रु० से ऊपर की है उनकी समीक्षा और मूल्यांकन की वर्तमान प्रक्रिया में निम्न शामिल है–प्रारंभ में मंत्रालय द्वारा गहन मूल्यांकन, सरकार ने विभिन्न अन्य अभिकरणों द्वारा मूल्यांकन, अन्तर मंत्रालयीय दल और सार्वजनिक निवेश बोर्ड द्वारा विचार और इसके बाद सक्षम प्राधिकारी से निवेश निर्णयों हेतु स्वीकृति प्राप्त करना अन्तर्निहित है सभी कोणों से एक विस्तृत मूल्यांकन विभिन्न मूल्यांकन अभिकरणों द्वारा यह सुनिश्चय करने के लिए आवश्यक है कि एक बार परियोजना सवीकृत होने पर भूमि, वन भूमि और अन्य आवश्यक आवश्यकताओं की कीमतों से इसके कार्यान्वयन में देरी नहीं होगी । इस प्रकार कोयला परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान करने की कोई निर्धारित सीमा नहीं है । किन्तु जहां कहीं सार्वजनिक निवेश बोर्ड द्वारा पूर्व में ही सिफारिश कोई परियोजना, जिसमें सरकार को प्रस्तुत किए जाने में विलंब होता है; उसमें सार्वजनिक निवेश बोर्ड के अध्यक्ष की विशिष्ट स्वीकृति प्राप्त की जाती है ।

वर्ष 1990-91 से 1992-93 के दौरान सरकार ने 11 नई कोयला परियोजनाएं स्वीकृत की है, जिसमें अंतिम स्वीकृति के लिए 2 से 5 वर्षों की सीमा तक समयावधि लगी है किन्तु इन 11 कोयला परियोजनाओं में से 9 में अग्रिम कार्रवाई योजना प्राथमिक क्रियाकलाप जैसे भूमि अधिग्रहण सर्वेक्षण कार्य, इत्यादि को शुरू करने के लिए स्वीकृत कर दी गई हैं । एक बार अग्रिम कार्रवाई की स्वीकृत हो जाने पर परियोजना की स्वीकृति एक सामरिक मद के रूप में नहीं रह जाती है चूंकि स्थल पर पूर्व में ही विभिन्न गतिविधियों––जैसे भूमि अधिग्रहण, वन भूमि, पर्यावरणीय स्वीकृति इत्यादि पर कार्रवाई पहले ही शुरू हो जाती है। कोयला परियोजनाओं को आठवीं योजना के समग्र स्रोतों के भीतर त्वरित स्वीकृति हेतु सभी प्रयास किए जा रहे हैं ।

Investment in Coal Industry

1771. SHRI PARMESHWAR KUMAR AGARWALLA: Will the Minister of COAL be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Rs. 15,966 crores have been invested in the coal industry upto 1991-92 since nationalisation;

(b) what was the targeted production after the above mentioned investment in terms of quality and quantity; and

(c) what is the actual production achieved in terms of quality and quantity so far?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COAL (SHRI AJIT KUMAR PANJA): (a) According to available information, the total investment on coal projects in public sector since nationalisation till 1991-92 is approximately Rs. 15,276 crores (Data provisional).

(b) and (c) Targetted production of coal and actual achievement of the public sector undertakings for the years, 1991-92 and 1992-93 is as below:--

(Quantity in Million tonnes)

Quality	1992-93		1991-92	
	Target	Achievement	Target	Achievement
Coking				
(i) Prime	10.286	9.179	10.209	9.061
(ii) Medium	11 091	11.672	11.096	11.964
(iii) Semi-Coking	0.398	0.339	0 664	0.438
(iv) Non-Coking	211.62	212.544	201.53	203.27
TOTAL	233.395	233.734	223.499	224.733

Increasing Accidents in Coal Mines

1772. SHRI VIREN J. SHAH:
SHRI GAYA SINGH:
SHRI CHATURANAN MISHRA:

Will the Minister of COAL be pleased to state:

(a) whether it is a fact that there has been a sharp increase in the number of accidents including fatal ones in the coal mines as reported in the 'Pioneer' of July 6, 1993;

(b) if so, what was the number of accidents including fatal ones in each coal mine during the years 1991 and 1992 and so far in 1993;

(c) what are the reasons for the steep rise in the accidents;

(d) what safety measures have been taken or propose to be taken for the safety of workers in each coal mine; and

(e) what steps have been taken to minimise the accidents?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COAL (SHRI AJIT KUMAR PANJA): (a) and (b) No, Sir. There has been an overall decrease in the number of accidents during 1991, 1992 and 1993. There were 552 accidents in 1992 as against 589 during 1991. During the first six months of 1993, there have been 227 accidents as against 295 during the corresponding period of 1992. However, there has been an increase in the fatal accidents during 1992. As against 116 fatal accidents involving 120 fatalities in 1991 there have been 130 accidents involving 149 fatalities during 1992. During 1993, (upto June, 1993) there has been a noticeable decrease in fatal accidents as well as fatalities. During this period there have been 50 fatal accidents involving 52 fatalities as against 62 accidents involving 69 fatalities during the corresponding period of 1992.